



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 19 फरवरी, 1983/30 मार्च, 1904

हिमाचल प्रदेश सरकार

वन खेती एवं परिवेश संरक्षण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 6 जनवरी, 1983

संख्या एफ० टी०एस० (ए) 3-2/81.—हिमाचल प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम, 1982 की धारा 17(1) द्वारा प्रदत्त तथा इस बारे अन्य सभी प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश सहर्ष निम्नलिखित नियम बनाते हैं जो हिमाचल प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) नियम, 1982 के त.म से प्रचलित हैं, यह पहले ही हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) दिनांक 14 जुलाई, 1982 में प्रकाशित हो चुके हैं।

हिमाचल प्रदेश वन उपज व्यापार (विनियमन) नियम, 1982

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) ये नियम हिमाचल प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) नियम, 1982 कहे जा सकते हैं।

(2) यह नियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (1) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम, 1982 अभिप्रेत है ;
- (2) “वन मण्डलाधिकारी” से क्षेत्रीय वन मण्डल के प्रभारी वनाधिकारी अभिप्रेत है ;
- (3) “कटान कार्यक्रम” से हिमाचल प्रदेश भू-संरक्षण अधिनियम, 1978 की धारा 4 के उपबन्धों के अधीन तैयार किया गया कार्यक्रम अभिप्रेत है ;
- (4) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;
- (5) “प्रपत्र” से इन नियमों से संलग्न प्रपत्र अभिप्रेत है ; और
- (6) ऐसे अन्य सब शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वे ही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

3. परिवहन अनुज्ञा-पत्र जारी करने हेतु प्रक्रिया [धारा 4 (ग)].—(1) धारा 4 के खण्ड (ग) के अन्तर्गत अनुज्ञा-पत्र जारी करने के लिए आवेदन-पत्र प्रपत्र संख्या 1 में दिया जाएगा और वन मण्डलाधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा जो ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह उचित समझे, भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 41 तथा 42 के अन्तर्गत तथा राज्य सरकार द्वारा उनके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार अनुज्ञा-पत्र जारी करेंगे।

परन्तु जहाँ वन मण्डलाधिकारी के पास ऐसे विश्वास करने के कारण हैं कि:—

- (क) निस्सारित वन उपज, बचे गए वृक्षों की संख्या एवं घनत्व से प्राप्त की जा सकने वाली मात्रा अधिक है; या
- (ख) वन उपज अनाधिकृत स्रोतों से है, तो वह आवेदन-पत्र को आंशिक रूप से या पूर्णतः अस्वीकार कर सकता है।

4. स्वामियों द्वारा विक्रय हेतु प्रस्तुत की गई वन उपज के क्रय की प्रक्रिया [धारा (5)].—(1) स्वामी, विक्रय हेतु प्रस्थापित वन उपज के सम्बन्ध में, उसके वन उपज का स्वामी होने का प्रमाण देने वाले समस्त दस्तावेजों को संलग्न करते हुए और उस वर्ष को, जिसके दौरान उस क्षेत्र की वन उपज निस्सारित और विक्रय हेतु आश्रित है, कटान कार्यक्रम के अन्तर्गत काटो जाती है, विनिर्दिष्ट करते हुए प्राधिकृत अधिकारी या अधिकर्ता को प्रपत्र संख्या-2 में आवेदन करेंगे।

(2) प्राधिकृत अधिकारी या अधिकर्ता आवेदन-पत्र प्राप्त करने पर उसे सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी को अर्पित करेंगे और साथ ही तहसीलदार और उप-तहसील को स्थिति में नायब-तहसीलदार को उस क्षेत्र के सीमांकन हेतु पत्र लिखेंगे जिसमें से स्वामी द्वारा वन उपज विक्रय हेतु आश्रित है और अधिकर्ता को विक्रय हेतु प्रस्थापित की गई है। तहसीलदार/नायब-तहसीलदार को किए गए आवेदन का एक प्रतिलिपि स्वामी को भी यह निर्देश देने हुए पृष्ठांकित की जाएगी कि वह क्षेत्र का सीमांकन करवाए।

(3) उस क्षेत्र का सीमांकन, जिसमें वन उपज का निस्सारण और विक्रय किया जाना आश्रित है, नायब-तहसीलदार से अग्रज के पद वाले राजस्व अधिकारी द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र के परिक्षेवाधिकारी और अधिकर्ता द्वारा नव निर्देशित अधिकारी की उपस्थिति में किया जाएगा; परन्तु जहाँ नायब-तहसीलदार नियुक्त नहीं है, क्षेत्र का सीमांकन क्षेत्र कानूनगो द्वारा किया जाएगा।

(4) यह स्वामी या उसके विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि का उत्तरदायित्व होगा कि अभिकर्ता को समयानुसार वृक्षों को काटने और परिवर्तित करने हेतु समर्थ बनाने के लिये, क्षेत्र का शीघ्रता से सीमांकन करवाए।

(5) सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार वृक्षों को वन रजिक या उप-वन रजिक या वनपाल द्वारा वनवर्धकीय ढंग से चिह्नित किया जाएगा।

(6) अंकन सूची, अंकन अधिकारी, सीमांकन करने वाले राजस्व अधिकारी और अभिकर्ता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से हस्ताक्षरित करने के पश्चात् अंकन अधिकारी द्वारा वन रजिक के माध्यम से जहां वह स्वयं अंकन अधिकारी नहीं है, से निम्नलिखित प्रमाणपत्रों सहित सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी को भेजी जाएगी :-

(क) कि सीमांकन राजस्व अधिकारी जो नायब तहसीलदार या (क्षेत्र कानूनगो जहां नायब-तहसीलदार नियुक्त नहीं है) के पद से अन्यून का नहीं है, द्वारा किया गया है और अंकन वन विभाग के वन रजिक/उप वन रजिक/वनपाल द्वारा अभिकर्ता के नामांकित व्यक्ति की उपस्थिति में किया गया है और सीमांकन/अंकन की शुद्धता को उनकी सम्पूर्ण सन्तुष्टि के अनुसार अंकन सूचियों में सम्यक रूप से अभिलिखित किया गया है;

(ख) कि वृक्षों का चिह्निकरण विषयगत नियमों या निर्देशों के अनुसार वनवर्धकीय ढंग से किया गया है;

(ग) कि सरकारी वनों में से कोई भी वृक्ष प्रगणित या चिह्नित नहीं किया गया है;

(घ) कि वृक्षों का अंकन सम्बन्धित राजस्व अभिलेख भू-स्वामियों के आवेदन-पत्रों और शपथ पत्रों इत्यादि की छानबीन करने पर सीमांकन या चिह्निकरण हेतु विहित प्रक्रिया के अनुसरण के पश्चात् किया गया है;

(ङ) कि उस क्षेत्र की वन-उपज जिससे वृक्ष विक्रय के लिये चिह्नित किए गए हैं मण्डल के लिये अनुमादित दस वर्षीय कटान कार्यक्रम के अनुसार दौरान काटे जाने हेतु नियत है;

(च) कि वृक्ष जिनके लिये मंजूरी मांगी गई है आवेदक भू-स्वामियों की निजी मलकीयत क्षेत्रों में खड़े हैं और कोई भी वृक्ष, हिमाचल प्रदेश भूमि जोत की अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 के अधीन के अधोशेष क्षेत्र या हिमाचल प्रदेश ग्राम शामिलता भूमि (निहित करनी और उपयोग) अधिनियम, 1974 के उपबन्धों के अन्तर्गत सरकार में निहित क्षेत्रों में से चिह्नित नहीं किए गए हैं।

(7) वन मण्डलाधिकारी, अंकन सूची, सीमांकन तथा अंकन प्रमाण-पत्रों को प्राप्त करने पर यदि वह ऐसा करना उचित समझे, सत्यापन हेतु क्षेत्र और चिह्निकरण का निरीक्षण कर सकता है।

(8) वन मण्डलाधिकारी की सन्तुष्टि पर वह सम्बन्धित वन रजिक और अभिकर्ता के प्राधिकृत अधिकारी को प्रतिलिपियां भेजते हुए प्रपत्र सं० 3 में स्वामी के नाम पर कटान आदेश जारी करेगा।

(9) विक्रय हेतु प्रस्थापित वृक्षों का मूल्य अभिकर्ता द्वारा अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत नियत किये गए मूल्य के अनुसार अदा किया जायेगा।

5. समिति का गठन और उसके कार्य को संचालित करने की प्रक्रिया (धारा 6).--(1) राज्य सरकार धारा 6 के अधीन गठित की गई सजाहकार समिति के सदस्यों के नाम शासकीय राजपत्र में प्रकाशित करेगी। प्रत्येक ऐसी समिति का एक अध्यक्ष एवं संयोजक होगा।

(2) समिति का गठन निम्नलिखित रूप से होगा :—

(क) सम्बन्धित मण्डल का वन मण्डलाधिकारी	.. अध्यक्ष एवं संयोजक
(ख) क्षेत्र के जिलाधीश का प्रतिनिधि	.. सदस्य
(ग) आवेदकों में से स्वामियों के दो प्रतिनिधि	.. सदस्य
(घ) अभिकर्ता का प्राधिकृत अधिकारी	.. सदस्य

(3) समिति की प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष एवं संयोजक द्वारा ही की जायेगी।

(4) अध्यक्ष एवं संयोजक समिति की बैठक की तिथि समय और स्थान निश्चित करेगा और उसे लिखित रूप में समिति के सनस्त सदस्यों को सूचित करेगा।

(5) सलाहकार समिति अपनी बैठक प्रायः उस मण्डल के मुख्यालय पर ही करेगी जिसके लिये वह गठित की गई है। समिति की गणपूर्ति तीन सदस्यों द्वारा होगी।

(6) कार्यवाही के कार्यवृत्त लेखबद्ध किए जायेंगे और वे अध्यक्ष एवं संयोजक द्वारा अनुमोदित किए जायेंगे। ऐसे अनुमोदन को समिति की सिफारिश की अधिप्रमाणिकता का अन्तिम प्रमाण माना जायेगा।

(7) समिति निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार को उस कीमत की सिफारिश करेगी जिस पर वर्ष के दौरान प्रत्येक मण्डल में उस द्वारा या उसके अभिकर्ता द्वारा वन उपज का क्रय किया जायेगा, अर्थात् :—

- (क) खड़े वृक्ष को पिछले तीन वर्षों की सरकारी निलामी की भारित औसत, यदि कोई हो, या सरकारी लट के सम्बन्ध में हिमाचल प्रदेश वन निगम से सम्बन्धित मण्डल में वसूल की गई दरें,
- (ख) नवीनतम नीजामी यदि कोई हो, के आधार पर निर्भर करने वाला बाजार का सामान्य रुख,
- (ग) क्षेत्र का सड़क से निकटता, विक्रय हेतु प्रस्थापित की जा रही वन उपज की गुणता और मात्रा, परिवहन की रीति और लागत, वन उपज के निस्सारण की लागत पर निर्भर करने वाली उपयुक्त बातों के आधार पर संगणित आधारभूत दर की तुलना में अनुमत की जाने वाली कीमत की भिन्नता, और
- (घ) कोई अन्य बातें जिन्हें समिति सुसंगत समझे।

(8) बैठक के कार्यवृत्त का एक प्रति उक्त सिफारिश के साथ सम्बन्धित वृत्त के अरण्यपाल के माध्यम से मुख्य अरण्यपाल को भेजी जायेगी, जो उसे तुरन्त राज्य सरकार को प्रेषित करेगा।

6. राज्य सरकार द्वारा मूल्य का निर्धारण (धारा 7).—(1) राज्य सरकार, समिति की सिफारिश पर विचार करने के पश्चात् उस मूल्य को नियत करेगी, जिस पर वन उपज के स्वामियों से विभिन्न स्थानों पर उस द्वारा या उसके अभिकर्ता द्वारा वन उपज खरीदी जायेगी।

(2) इस प्रकार नियत किया गया मूल्य शासकीय राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा और प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त तक प्रवृत्त रहेगा।

7. कटान कार्यक्रम के अधीन आने वाले क्षेत्र हेतु अग्रिम की अदायगी (धारा 8).—जहां क्षेत्र कटान कार्यक्रम के अनुसार पश्चात्तुर्वर्ती वर्षों के दौरान कटान हेतु नियत है और स्वामी को धन की अत्यन्त आवश्यकता है तो वह उसकी वन उपज को विक्रय के लिए अभिकर्ता को प्रस्थापित कर सकता है और अग्रिम धन के लिय प्रपत्र सं 0 4 में आवदन कर सकता है। ऐसे अग्रिम की शर्तें और निबन्धन इस प्रकार हैं :—

- (क) अग्रिम की अदायगी केवल उन्हीं स्थितियों में की जायेगी, जब क्षेत्र कटान कार्यक्रम के अनुसार आगामी वर्ष में कटान हेतु नियत है;

- (ख) स्वामी को उस पर खड़े वृक्षों सहित भूमि की अभिकर्ता के पास बन्धक रखनी होगी ;
- (ग) अग्रिम, राजस्व विभाग के माध्यम में नियम 4 के उपनियम (3) के अधीन यथा उपबन्धित क्षेत्र के सीमांकन के पश्चात् वन मण्डलाधिकारी द्वारा प्राधिकृत अधिकारी और अभिकर्ता के नामित व्यक्ति द्वारा संयुक्त रूप में यथा तैयार की गई प्रमाणित मूचों के आधार पर वन वर्धकीय रूप से एक वर्ष के पश्चात् निस्सारित किए जाने वाले वृक्षों हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए नियत किए गए मूल्य के 25 प्रतिशत तक सीमित होगा ;
- (घ) वृक्षों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व स्वामी का ही रहेगा ;
- (ङ) यदि स्वामी उस वर्ष के दौरान जब क्षेत्र कटान हेतु नियत वृक्षों को अर्पित करने या व्याज सहित राशि वापस करने में असमर्थ रहता है तो अभिकर्ता अग्रिम और उस पर व्याज सहित अन्य अनुपैजिक व्ययों की वसूली के लिये वाद चलाने हेतु स्वतन्त्र होगा ; तथा
- (च) अभिकर्ता, उपर्युक्त उप-नियम (ग) के अधीन इस प्रकार दिए गए अग्रिम पर सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की गई दर पर व्याज वसूल कर सकता है ।

8. वन उपज का व्ययन (धारा 9).—(1) अभिकर्ता उपनियम (2) के अन्तर्गत वन उपज को खुली, तोलामी द्वारा या सरकार और अन्य विभाग को प्रदाय करके विक्रय करेगा ।

(2) अभिकर्ता, वन उपज के स्थानीय विक्रय के लिये राज्य सरकार द्वारा, समय-समय पर यथा विनिर्दिष्ट डिपो खोलेगा ।

9. वे दंग, निबन्धन और शर्तें जिनके अधीन अनुज्ञापत्र प्रदान किया जाता है [धारा (19)].—(1) सम्बन्धित मण्डल का वन मण्डलाधिकारी धारा 19 के उप-धारा (1) के अधीन अनुज्ञापत्र जारी करने के लिये प्राधिकृत अधिकारी होगा ।

(2) अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (1) के अधीन अनुज्ञापत्र जारी करने के लिए प्रपत्र संख्या 5 में आवेदन-पत्र मण्डलाधिकारी को दिया जायेगा जो ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह उचित समझे प्रपत्र संख्या-6 में अनुज्ञापत्र जारी करेगा । परन्तु जहां वन मण्डलाधिकारी के पास ऐसे विश्वास करने के कारण हैं कि :—

(क) अधिनियम प्रारम्भ होने से पूर्व आगे विक्रय के उद्देश्य से क्रय की गई निस्सारित वन उपज वास्तविक या सद्भाविक नहीं है ;

(ख) आवेदक द्वारा प्राप्त वन उपज अनाधिकृत स्रोतों से प्राप्त की गई थी ; या

(ग) वन उपज के निस्सारण के लिये सीमांकन और चिह्निकरण आदेश अधिनियम के प्रारम्भ होने से पूर्व जारी नहीं किए गए थे ;
तो वह आवेदन-पत्र को अस्वीकृत कर सकता है ।

(3) वन उपज का जिससे सम्बन्धित अनुज्ञापत्र हेतु आवेदन-पत्र उपर्युक्त उप-नियम (2) के अधीन अस्वीकृत किया गया है, आवेदक को मुनवाई का अवसर प्रदान किए जाने के पश्चात् सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी द्वारा अधिग्रहण किया जा सकता है ।

(4) उप-नियम (2) के अधीन वन मण्डलाधिकारी द्वारा किए गए आदेश से कोई व्यक्ति उप-नियम (2) के अधीन किए गए अस्वीकृत आदेश की तिथि से तीस दिन के भीतर सम्बन्धित वृक्ष के अरण्यपाल को अपील कर सकता है और अरण्यपाल द्वारा उस पर पारित किया गया आदेश अन्तिम होगा ।

10. अग्रिम की वसूली की प्रक्रिया [धारा 19(2)].—(1) अधिनियम जारी होने से पूर्व व्यापारी को दिये गये अग्रिम, यदि कोई हो, की वसूली के लिए आवेदन-पत्र सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी को प्रपत्र संख्या 7 में दिया जायेगा ।

(2) आवेदन-पत्र की प्राप्ति पर वन मण्डलाधिकारी जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक (आवेदकों) को मुनवाई के लिये स्थान, तिथि और समय-निश्चित करते हुए सूचना जारी करेगा।

(3) वन मण्डलाधिकारी संव्यवहार की वास्तविकता के सम्बन्ध में अपने समाधान के प्रयोजनार्थ साक्षियों, ऐसे दस्तावेजों, अभिकर्ता के प्रतिनिधियों, किसी अन्य साक्ष्य जो उसके विचारानुसार संव्यवहार के उचित विनिर्देश और वास्तविकता पर पहुंचने और अग्रिम की राशि इत्यादि अवधारित करने हेतु आवश्यक है को प्रस्तुत करने को कहेगा।

(4) जांच के पश्चात् वन मण्डलाधिकारी ऐसी राशि की अदायगी के लिये ऐसे आदेश पारित कर सकता है जैसी वह व्यापारी को वास्तविक रूप से प्रतिपूर्ति किए जाने के लिए आवश्यक समझे।

(5) वन मण्डलाधिकारी अपना विनिश्चय अभिकर्ता या उसके नाम निर्देशिनी को ऐसी राशि अदा करने के निर्देश देते हुए प्रेषित करेगा।

(6) वन मण्डलाधिकारी के आदेश प्राप्त करने पर अभिकर्ता या उसका नाम निर्देशिनी वन मण्डलाधिकारी द्वारा अवधारित की गई राशि को व्यापारी को अदा करेगा और ऐसे अग्रिम की वसूली हेतु स्वामी के साथ करार विलेख करेगा और उसके पश्चात् वह वन उपज, जिसके सम्बन्ध में स्वामी द्वारा व्यापारी के साथ संव्यवहार किया गया है, अभिकर्ता को संक्रान्त होगी।

आदेश द्वारा,
बी० सी० नेगी,
सचिव।

प्रपत्र-1

नियम 3 (1) के अधीन वन मण्डलाधिकारी को दिया जाने वाला वन उपज के परिवहन हेतु आवेदन-पत्र का प्रपत्र

1. आवेदक का नाम, पिता का नाम और पता।
यदि वह पंजीकृत फर्म या कम्पनी है तो फर्म या कम्पनी का नाम, पंजीकरण संख्या, पंजीकरण का वर्ष, मुख्तारनामा धारण करने वाले व्यक्ति का नाम और पता (मुख्तारनामे की एक प्रति संलग्न की जाए)।

हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम की स्थिति में निगम या मण्डल के प्राधिकृत अधिकारी का नाम।

2. निर्यात की जाने वाली वन उपज का व्योरा या विवरण (प्रजाति अनुसार, आकारानुसार काष्ठ या काष्ठ खण्ड की सूची-काष्ठ की स्थिति में दस प्रतियां संलग्न करें)।
3. वन उपज प्राप्त करने का स्रोत (वृक्षों की स्थिति में कटान आदेश उत्कथित करें)।

4. क्या स्वामियों को सम्पूर्ण मूल्य की अदायगी कर दी गई है यदि नहीं तो शेष अदा योग्य राशि।
5. स्थान जहां से और जहां को वन उपज का परिवहन किया जाना है।
6. परिवहन का ढंग
7. अवधि जिस हेतु अनुज्ञा-पत्र अर्पित है ..
8. मार्ग जिससे वन उपज का परिवहन किया जाना है

स्थान—

तिथि—

आवेदक के हस्ताक्षर
या
निशान अंगूठा।

प्रपत्र-2

[नियम 4(1) देखें]

वन उपज के विक्रय के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र

सेवा में,

(अभिकर्ता या उसके प्राधिकृत अधिकारी जिसको विक्रय हेतु वन उपज प्रस्थापित की गई है का पदनाम)

मैं, _____ पुत्र श्री— _____, निवासी— _____

अपनी निजी भूमि में खड़े वृक्षों या वन उपज को विक्रय हेतु प्रस्थापित करता हूं। विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है:—

1. स्वामी का नाम, पिता का नाम और पूरा पता
2. गांव, जहां वन उपज स्वामित्व में है का नाम/खाता/खतौनी/
खसरा सं० और हर खसरे का क्षेत्रफल और भूमि की किस्म
के: सहित (जमाबन्दी और तत्तीमे की नवीनतम प्रति संलग्न करें)।
3. विक्रय के लिए प्रस्थापित वन उपज का ब्योरा या विवरण
4. उस परिक्षेत्र या खण्ड या बीट का नाम जहां विक्रय के लिए प्रस्थापित वन उपज स्थित है।
5. वर्ष जिसके दौरान क्षेत्र हिमाचल प्रदेश भू-संरक्षण अधिनियम,
1978 की धारा 4 के अधीन 10 वर्षीय कटान कार्यक्रम
के अनुसार कटान के लिए नियत है।

आवेदक स्वामी के हस्ताक्षर या
निशान अंगूठा।

तिथि—

स्थान—

ग्राम पंचायत के प्रधान या लम्बरदार
द्वारा सत्यापन या प्रमाणीकरण।

प्रपत्र-3

[नियम 4(8) देखें]

कटाव आदेश का प्रपत्र

श्री _____ सुपुत्र श्री _____, निवासी ग्राम _____,
तहसील _____, जिला _____, हिमाचल
प्रदेश (स्वामी का पूरा पता दें) को _____ द्वारा (अभिकर्ता या उसके प्राधिकृत
प्रतिनिधि या नाम निर्देशितों का पदनाम या विवरण दें) निम्नलिखित विवरणों के अनुसार वृक्ष काटने की अनुमति
दी जाती है:—

गांव का नाम	खसरा सं०	क्षेत्र	भूमि की किस्म	प्रजाति	वृक्षों का विवरण	घनत्व
					I II, III, IV, V	
1	2	3	4	5	6	7

(टिप्पणी.—वृक्षों का खसरानुसार व्योरा दें)

1. अंकन अधिकारी का नाम तथा पदनाम
2. प्रयुक्त अंकन हैमर का व्योरा
3. सीमांकन और चिह्निकरण की तिथि
4. राजस्व अधिकारी जिसने सीमांकन किया है का नाम और पदनाम
5. अभिकर्ता के प्राधिकृत अधिकारी या नामनिर्देशितों जिसने सीमांकन में सहयोग दिया है का नाम और पदनाम
6. कटाव आदेश की विधि मान्यता की अवधि
7. सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी द्वारा रखी गई कोई अन्य शर्तें

वन मण्डलाधिकारी के हस्ताक्षर,

_____ वन मण्डल

(कार्यालय की मोहर)

संख्या _____ दिनांक _____

प्रतिलिपि निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. श्री _____ सुपुत्र श्री _____, निवासी

_____ (स्वामी का पूरा पता दें) उसके आवेदन-पत्र दिनांक _____

के शुद्धभं में ।

2. परिक्षेत्राधिकारी _____ को सूचना और आवश्यक कार्यवाही हेतु उसकी रिपोर्ट संख्या _____ दिनांक _____ के संदर्भ में ।

3. प्रबन्ध निदेशक, हिमाचल प्रदेश वन निगम या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि _____ को सूचना और आवश्यक कार्यवाही हेतु उसके पत्र संख्या _____ दिनांक _____ के संदर्भ में ।

वन मण्डलाधिकारी,

_____ वन मण्डल ।

प्रपत्र 4
(नियम 7 देखें)

पश्चात् वर्ती वर्षों में वन उपज के विक्रय हेतु अग्रिम लेने के लिये आवेदन-पत्र सेवामें,

(अभिकर्ता या प्राधिकृत अधिकारी जिसको विक्रय हेतु उपज प्रस्थापित की गई है का पदनाम दें)

में _____

अपनी निजी भूमि में खड़े वृक्षों या वन उपज को जो वर्ष _____ के दौरान हिमाचल प्रदेश भू-संरक्षण अधिनियम, 1978 की धारा 4 के अधीन अनुमोदित कटान कार्यक्रम के अनुसार कटान हेतु नियत है एतद्द्वारा विक्रय हेतु प्रस्तुत करता हूं और _____ रुपये के अग्रिम के लिए अनुरोध करता हूं । पूर्ण विवरण निम्न प्रकार से हैं :—

1. स्वामी का नाम, पूरा पता और पिता का नाम
2. खाता या खतौनी या खसरा संख्या और हर खसरे का क्षेत्रफल और भूमि की किस्म के सहित गांव, जहां वन उपज स्वामित्व में है का नाम (जमाबन्दी और ततीमे की नवीनतम प्रति संलग्न करें) ।
3. विक्रय हेतु प्रस्थापित वन उपज का विवरण
4. परिक्षेत्र, खण्ड या बीट का नाम जिसमें विक्रय हेतु प्रस्थापित वन उपज स्थित है ।
5. वर्ष जिस दौरान क्षेत्र हिमाचल प्रदेश भू-संरक्षण अधिनियम, 1978 की धारा 4 के अधीन कटान कार्यक्रम के अनुसार कटान हेतु नियत है ।

6. कटान के वर्ष के दौरान हटाए जाने वाले वृक्षों की प्राक्कलित संख्या।
7. अग्रिम राशि जिस के लिए अनुरोध किया गया है।
8. अग्रिम लेने हेतु कारण
9. क्या अग्रिम के बदले वृक्षों सहित भूमि के बन्धक रखने और बन्धक विलेख निष्पादित करने को तैयार है?

आवेदक के हस्ताक्षर या निशान अंगूठा।

स्थान _____

ग्राम पंचायत के प्रधान या क्षेत्र के लम्बरदार द्वारा सत्यापन।

प्रपत्र 5

[नियम 9(2) देखें]

धारा 19(1) के अधीन अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र सेवा में,

वन मण्डलाधिकारी,

_____ मण्डल।

मैंने _____ सुपुत्र श्री _____, निवासी _____

(पूरा पता बताएं, श्री _____ सुपुत्र श्री _____,

निवासी _____ (पूरा पता बताएं) से आगे विक्रय हेतु वन उपज जिसका ब्योरा संलग्न है खरीदी है या _____ वन मण्डलाधिकारी

_____ मण्डल से पत्र संख्या _____, दिनांक _____ द्वारा

अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात् वन उपज जिसका ब्योरा संलग्न है या निस्सारित की है या हिमाचल वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम, 1982 के प्रारम्भ से पूर्व वन मण्डलाधिकारी _____ मंडल

से दिनांक _____ को पत्र संख्या _____ दिनांक _____ द्वारा

द्वारा गांव _____ खसरा नं० _____ में वृक्षों के

में वृक्षों के चिन्हीकरण और सीमांकन के लिये आदेश प्राप्त कर लिये थे। अतः अनुरोध है कि मुझे हिमाचल प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम, 1982 की धारा 19(1) के अधीन वन उपज या वृक्षों के विषय या परिवहन या संपरिवर्तन या कटान की अनुज्ञा प्रदान की जाए।

आवेदक के हस्ताक्षर या
निशान अंगूठा।

स्थान _____

दिनांक _____

टिप्पणी:—(1) अप्रयोज्य को काट दें।

(2) वन उपज जिस के लिए अनुज्ञा-पत्र अपेक्षित है का पूरा ब्योरा दें।

वन खती एवं परिवेश संरक्षण विभाग हिमाचल प्रदेश

प्रपत्र 6

[नियम 9 (2) देखें]

धारा 19(1) द्वारा यथा अपेक्षित वन उपज के विक्रय या संपरिवर्तन या कटान और संपरिवर्तन हेतु अनुज्ञापत्र के लिए प्रपत्र

मण्डल—

अनुज्ञापत्र संख्या— दिनांक—

श्री — सुपुत्र श्री —, निवासी—

(पूरा पता बताएं) को वन उपज या वृक्षों, जिसका व्योरा नीचे दिया गया है, को विक्रय करने या संपरिवर्तित करने या काटने और संपरिवर्तित करने की अनुज्ञा दी जाती है जिन्हें हिमाचल प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) नियम, 1982 के नियम 9(2) के अधीन सम्यक जांच करने के पश्चात् ऐसा सत्यापित किया गया है कि कटान आगे विक्रय हेतु किया गया था या सीमांकन और अंकन आदेश अधिनियम के प्रारम्भ होने से पूर्व दिए गए थे।

वन उपज या काष्ठ का व्योरा या विवरण जिसके लिए अनुज्ञा मान्य है।

यह अनुज्ञापत्र — तक मान्य है।

स्थान —

तिथि—

वन मण्डलाधिकारी,

मण्डल।

टिप्पणी.—(1) 30 नवम्बर, 1982 के बाद के लिए कोई अनुज्ञा नहीं दी जायेगी।

(2) अधिनियम प्रारम्भ होने से पूर्व संपरिवर्तित वन उपज के परिवहन हेतु अनुज्ञा की स्थिति में निर्यात अनुज्ञापत्र भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 41 और 42 तथा उनके अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्र में जारी किया जायेगा।

संख्या _____, दिनांक _____

प्रतिलिपि निम्नलिखित को प्रेषित:—

- (1) श्री _____ सुपुत्र श्री _____, निवासी _____ (जिसके हित में अनुज्ञापत्र जारी किया जाता है उसका पूरा पता बताएं), को उनके आवेदन-पत्र दिनांक _____ के संदर्भ में।
- (2) वन राजिक _____ की सूचना और आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- (3) अभिकर्ता या उसके नाम निर्देशित को सूचना और आवश्यक कार्यवाही हेतु।

वन मण्डलाधिकारी,

_____ मंडल।

प्रपत्र 7

[नियम 10(1) देखें]

अधिनियम प्रारम्भ होने से पूर्व व्यापारी को दिए गए अग्रिम की वसूली के लिए आवेदन का प्रपत्र

1. पूरे पते सहित स्वामी का नाम (जिसने क्रेता या व्यापारी के साथ वन उपज को विक्रय के लिए संविदा की है) और पिता का नाम।
2. पूरे पते सहित व्यापारी या क्रेता का नाम और पिता का नाम या फर्म का नाम जिसने वन उपज के क्रय के लिए संविदा की है।
3. वन उपज का व्योरा या विवरण जिसके क्रय और विक्रय के संविदा निष्पादित की गई थी, खाता या खतौनी, खसरा सं०, क्षेत्रफल और भूमि की किस्म सहित गांव का, जहां क्रेता या व्यापारी को विक्रय हेतु वचनबद्ध वृक्ष खड़े हैं, पूरा विवरण दें।
4. संविदा करने की तिथि (करार, विलेख की मैजिस्ट्रेट द्वारा विधिवत अनुप्रमाणित प्रति संलग्न करें)।
5. संविदा के साक्षियों के नाम।
6. क्रेता या व्यापारी से स्वामी द्वारा प्राप्त किए गए अग्रिम की राशि।
7. स्वामी द्वारा क्रेता को प्रतिसंदत किए गए अग्रिम की राशि।
8. स्वामी द्वारा क्रेता या व्यापारी को दिये जाने वाले अग्रिम की शेष राशि जिस हेतु अनुरोध किया गया है।
9. साक्ष्यों का व्योरा या पूरा पते सहित उन साक्षियों के नाम (यदि कोई हों) जिन्हें स्वामी द्वारा प्राप्त किए गए और क्रेता द्वारा दिए गए अग्रिम के दावे को साबित करने के लिए प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।
10. दावे के समर्थन में दी जाने वाली वांछित कोई अन्य सूचना।

स्थान:

दिनांक:

स्वामी के हस्ताक्षर

या निशान अंगूठा

क्रेता या व्यापारी के हस्ताक्षर।

टिप्पणी:—(1) दावे के समर्थन में प्रथम श्रेणी मैजिस्ट्रेट द्वारा अनुप्रमाणित शपथपत्र संलग्न करें।

(2) करार विलेख की अनुप्रमाणित या फोटोस्टेट प्रति भी संलग्न करें।

(AUTHORISED ENGLISH TEXT OF THE HIMACHAL PRADESH VAN UPJA (VAYAPAR VINIAMAN) ADHINIYAM, 1982 AS REQUIRED UNDER ARTICLE 348(3) OF THE CONSTITUTION OF INDIA)

FOREST FARMING AND ENVIRONMENTAL CONSERVATION DEPARTMENT
NOTIFICATION

Shimla-171002, the 6th January, 1983

No. Fts. (A) 3-2/81.—In exercise of the powers conferred by section 17 (1) of Himachal Pradesh Forest Produce (Regulation of Trade) Act, 1982 and all other powers enabling him in this behalf, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the following rules named as Himachal Pradesh Forest Produce (Regulation of Trade) Rules, 1982, the same having been previously published in (Extra-ordinary) Himachal Pradesh Rajpatra, dated 14th July, 1982:—

THE HIMACHAL PRADESH FOREST PRODUCE (REGULATION OF TRADE)
RULES, 1982

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Forest Produce (Regulation of Trade) Rules, 1982.

(2) These rules shall come into force at once.

2. *Definitions.*—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (1) 'Act' means the Himachal Pradesh Forest Produce (Regulation of Trade) Act, 1982 (Act No. 1 of 1982);
- (2) 'Divisional Forest Officer' means the Forest Officer in charge of a territorial forest division;
- (3) 'felling programme' means the programme as formulated under provisions of section 4 of the Himachal Pradesh Land Preservation Act, 1978;
- (4) 'section' means a section of the Act;
- (5) 'form' means a form appended to these rules; and
- (6) all other words and expressions used but not defined in these rules shall have the meanings assigned to them in the Act.

3. *Procedure for issuance of transit permits [Section 4 (c)].*—Application for issue of permit under clause (c) of section 4 shall be made in Form No. I and shall be submitted to the Divisional Forest Officer who shall, after making such enquiries as he deems fit, issue permit under sections 41 and 42 of the Indian Forest Act, 1927 and the rules made thereunder by the State Government;

Provided that where the Divisional Forest Officer has reasons to believe that,—

- (a) the forest produce extracted is in excess of what should have been obtained from the number and volume of trees sold; or
 - (b) the forest produce is from unauthorised sources,
- he may reject the application partially or in toto.

4. *Procedure for purchase of forest produce offered for sale by owners (Section 5).*—(1) The owner shall apply in Form No. II in duplicate to the Agent offering for sale the forest produce enclosing all documents in proof of his being owner of the forest produce and specifying the year during which the area from which the forest produce is intended to be extracted and sold—is due for felling under the felling programme.

(2) The Agent, on receipt of application, shall forward the original to the Divisional Forest Officer concerned with a simultaneous reference to the Tehsildar and in the case of Sub-Tehsil to the Naib-Tehsildar of the area concerned for demarcation of the area in which the forest produce is intended to be sold by the owner and offered for sale to the Agent. A copy of

the request made to the Tehsildar/Naib-Tehsildar will also be endorsed to the owner with directions to get the area demarcated.

(3) The demarcation of the area from which the forest produce is intended to be extracted and sold will be carried out by the Revenue Officer not below the rank of Naib-Tehsildar in the presence of Range Officer of the area concerned and nominee of the Agent:

Provided that where Naib-Tehsildars are not posted, the demarcation of the area will be carried out by the Field Kanungos.

(4) It will be the responsibility of the owner or his legally authorised representative to get the area demarcated expeditiously to enable the Agent to fell and convert the trees within time.

(5) The trees will be marked silviculturally by the Range Officer/the Deputy Ranger/the Forester as per instructions issued by the Divisional Forest Officer, concerned from time to time.

(6) The marking list duly signed by Marking Officer, the Revenue Officer giving the demarcation and the nominee of the Agent will be submitted by Marking Officer through Range Officer, where he himself is not the Marking Officer, to the concerned Divisional Forest Officer along with following certificates:—

- (a) that the demarcation has been carried out by a Revenue Officer not below the rank of a Naib-Tehsildar (or Field Kanungo, where the Naib-Tehsildar is not posted) and that the marking has been carried out by the Forest Ranger/the Deputy Ranger/the Forester of the Forest Department and in presence of nominee of the Agent and that the correctness of the demarcation/markings to their entire satisfaction has been duly recorded on the marking lists;
- (b) that the trees have been marked silviculturally as per rules/instructions on the subject;
- (c) that no trees have been enumerated/marked from the Government forests;
- (d) that the trees have been marked after having scrutinized all relevant revenue records, applications and affidavits of the landowners and after following the prescribed procedure for demarcation/markings;
- (e) that the areas from where these trees have been marked for sale are due for felling during..... as per approved 10 years felling programme of the..... Division;
- (f) that the trees for which the sanction has been sought for are standing in privately owned malkiyati areas of the applicant landowners and no trees have been marked from the surplus area under the Himachal Pradesh Ceiling on Land Holdings Act, 1972 or areas vested with Government under the provisions of the Himachal Pradesh Village Common Land (Vesting and Utilisation) Act, 1974.

(7) The Divisional Forest Officer on receipt of marking list, demarcation and marking certificates may, if he deems fit to do so, inspect the area and the marking for verification.

(8) On satisfaction of the Divisional Forest Officer he may issue the felling order in the name of the owner in Form No. III with copies to the Range Officer concerned and the nominee of the Agent.

(9) The price of trees offered for sale will be paid by the Agent as per price fixed under section 7 of the Act.

5. Constitution and procedure for conducting the business of the Committee (Section 6).—

(1) The State Government shall publish the names of the members of the Advisory Committee constituted under section 6 in the Official Gazette. For each such Committee, there shall be a Chairman-cum-Convener.

(2) The composition of the Committee shall be as under:—

- | | |
|---|---------------------------|
| (a) The Divisional Forest Officer of the concerned Division | .. Chairman-cum-Convener. |
| (b) The representative of the Deputy Commissioner of the area | .. Member |
| (c) Two representatives of the owners out of the applicants | .. Member |
| (d) Representative of the Agent | .. Member |

(3) Every meeting of the Committee, shall be presided over by the Chairman-cum-Convener.

(4) The Chairman-cum-Convener shall fix the date, time and place of the meeting of the Committee and intimate the same in writing to all the members of the Committee.

(5) The Advisory Committee shall ordinary hold its meeting at the headquarters of the Division for which it is constituted. Three members of the Committee shall constitute the quorum.

(6) The minutes of the proceeding shall be reduced to writing and the same shall be approved by the Chairman-cum-Convener. Such approval shall be taken as final and authentic proof of the Committee's recommendations.

(7) The Committee, having regard to the following factors shall advise the State Government regarding the price at which the forest produce shall be purchased by the State Government or its Agent in each Division during each financial year, namely:—

- the weighted average of last three years Government auctions of standing trees, if any or rates charged in the Division concerned from the Himachal Pradesh State Forest Corporation Private Ltd., in respect of Government lots;
- the general trend of the market depending upon the latest auctions, if any;
- the price variation to be allowed *vis-a-vis* the basic rate calculated on above factors, depending upon the proximity of the area to road side, quality and quantity of the forest produce being offered for sale; the mode and cost of transportation; the cost of extraction of forest produce; and
- any other factors which the Committee may consider relevant.

(8) A copy of the minutes of the meeting of the Committee shall be sent along with the advice to the Chief Conservator of Forests through the concerned Conservator of Forests of the Circle, who in turn shall forward the same to the State Government immediately.

6. *Fixation of price by the State Government (section 7).*—(1) The State Government, after consideration of the advice of the Committee, shall fix the price at which the forest produce shall be purchased at various places by it or by its agent from the owners of the forest produce.

(2) The price so fixed shall be published in the Official Gazette and shall remain in force upto the end of each financial year.

7. *Payment of advances for areas covered by felling programme (section 8).*—(1) In case where the area is due for felling during the subsequent years according to the felling programme and the owner is in urgent need of money, he may offer for sale his forest produce to the Agent and may apply for advance of money in Form No. IV. The terms and conditions of such advance are as under:—

- advances shall be paid only in the cases where areas are due for felling within next year according to the felling programme;
- the owner shall have to mortgage the land along with the standing trees thereon in favour of the Agent;

- (c) the advance shall be limited to 25 % of the price as fixed for the current financial year for the silviculturally available trees likely to be removed after one year on the basis of enumeration list as may be prepared co-jointly by authorised officer of the Divisional Forest Officer and nominee of the Agent after demarcation of the area through the Revenue Department as provided under rule 4 (3);
- (d) the responsibility for the protection of the tree shall rest with the owner;
- (e) in case of failure of the owner to part with the trees or refund of amount with interest during the year when the area is due for felling, the Agent shall be at liberty to file a suit for recovery of advances and other incidental expenses along with interest thereon; and
- (f) the agent may charge interest on advances so paid under sub-rule (c) above on the rates as may be fixed by the State Government from time to time.

8. *Disposal of forest produce (section 9).*—(1) The Agent shall sell the forest produce through its depots under sub-rule (2) by open auction or by supplies to Government and other Departments.

(2) The Agent shall also open depots for local sales of the forest produce as may be specified by the State Government from time to time.

9. *Terms and conditions for grant of permit (section 19).*—(1) The Divisional Forest Officer of the concerned Division will be the authorised officer for the issuance of a permit under sub-section (1) of section 19.

(2) The application in Form No. V for issue of permit under sub-section (1) of section 19 of the Act shall be submitted to the Divisional Forest Officer who shall after making such enquiries as he may deem fit, issue permit in Form No. VI:

Provided that where the Divisional Forest Officer has reason to believe:—

- (a) that the extracted forest produce purchased for the purpose of further sale before the commencement of the Act is not genuine or bona fide;
- (b) that the forest produce procured by the applicant was from unauthorised source; or
- (c) that the orders for demarcation and marking for extraction of forest produce were not issued prior to the commencement of the Act,

he may reject the application.

(3) The forest produce in respect of which application for permit under sub-rule (2) above has been rejected may, after opportunity of being heard has been given to the applicant, be seized by the Divisional Forest Officer concerned.

(4) Any person aggrieved by the order of the Divisional Forest Officer made under sub-rule (2) may prefer an appeal to the Conservator of Forests of the Circle concerned within thirty days from the date of rejection order made under sub-rule (2) and the orders passed thereon by the Conservator of Forests shall be final.

10. *Procedure of recovery of advance [section 19 (2)].*—(1) Application for recovery of advance, if any, paid to the trader before the commencement of the Act shall be made in Form No. VII to the Divisional Forest Officer concerned.

(2) Upon receipt of the application, the Divisional Forest Officer shall issue a notice fixing place, date and time for hearing the applicant(s) for purpose of enquiry.

(3) The Divisional Forest Officer for purpose of satisfying himself about the genuineness of the transaction may summon witnesses, documents, representatives of the Agent, any other evidence which in his opinion is necessary to arrive at a just decision about the genuineness of the transaction and to determine the amount of advance.

(4) After expiry, the Divisional Forest Officer may pass such order for the payment of such money as he considers genuinely required to be reimbursed to the trader.

(5) The Divisional Forest Officer shall forward his decision to the Agent or his nominee directing him to pay such amount of money.

(6) Upon receipt of orders of the Divisional Forest Officer, the Agent or his nominee shall pay the amount as determined by the Divisional Forest Officer to the traders and shall enter into an agreement deed with the owner for recovery of such advances and there upon the forest produce for which the transaction had been made by the owner with the trader will pass on the Agent.

By order,
B. C. NEGI,
Secretary.

FORM I

FORM OF APPLICATION FOR TRANSPORT OF FOREST PRODUCE UNDER RULE 3 (1) TO THE DIVISIONAL FOREST OFFICER

1. Name, father's name and address of applicant. If it is a registered firm or company, registered number, year of registration, the name and address of person holding a power of attorney (a copy of power of attorney be enclosed).

In case of Himachal Pradesh State Forest Corporation name of authorised officer of the Corporation/Division.

2. Detail/description of forest produce for which export is required (species-wise, size-wise list of timber/billets, in case of timber—10 copies).
3. Source of obtaining forest produce (quote felling order in case of trees).
4. Whether payment has been made to the owners in full? If not, the unpaid balance.
5. Place from and to which forest produce is required to be transported.
6. Mode of transport ..
7. Period for which permit is required ..
8. Route by which the forest produce is to be transported ..

Place.....
Date

Signature/thumb impression
of the applicant.

FORM II

[See Rule 4 (1)]

FORM OF APPLICATION FOR SALE OF FOREST PRODUCE

To

.....
(Give designation of Agent or his nominee to whom the forest produce is offered for sale).

I, son of, r/o.....
 hereby offer for sale the standing trees/forest produce which are standing on
 my privately owned land. The detailed particulars are as under:—

1. Name of owner, father's name with full address..
2. Name of village where forest produce is owned with
 Khata/Khatauni/Khasra No. and area of each
 khasra and kind of land (enclose copy of latest
 Jamabandi and Tatima).
3. Detail/description of forest produce offered for sale
4. Name of Range/Block/Beat in which forest produce
 offered for sale, is located
5. Year when area is due for felling under 10 years
 felling programme under section 4 of the Himachal
 Pradesh Land Preservation Act, 1978.

Place.....
 Date.....

*Signature/thumb impression of the
 applicant owner.*

Verification/Attestation of President of Gram Panchayat or Lambardar.

FORM III

[See Rule 4 (8)]

FORM OF FELLING ORDER

Division

Shri..... son of Shri....., resident of
 village....., Tehsil....., District..... (Himachal

(Pradesh) (Give full address of owner) is permitted to fell the trees as per detail given below through..... (Give detail/designation of the Agent or his nominee).

Name of Village	Khasra No.	Area	Kind of land	Species	Detail of trees I, II, III, IV, V	Volume
1	2	3	4	5	6	7

(Note.—Give Khasra-wise detail of trees).

1. Name/designation of Marking Officer ..
2. Description of marking hammer used ..
3. Date of demarcation and marking ..
4. Name/designation of Revenue Officer who gave demarcation ..
5. Name/designation of authorised officer/nominee of Agent who associated in demarcation and marking ..
6. Period of validity of felling order ..
7. Any other conditions imposed by the Divisional Forest Officer concerned ..

(Signature)
Divisional Forest Officer,
..... Forest Division.

(Seal of office to be affixed)

No.....

Dated.....

Copy forwarded to:—

1. Shri.....s/o Shri....., resident of.....
(give full address of owner) with reference to his application dated addressed to.....
2. Range Officer..... for information and necessary action with reference to his report No.....dated.....
3. Agent or his nominee for information and necessary action with reference to his letter No.....dated.....

Divisional Forest Officer,
..... Forest Division.

FORM IV

(See Rule 7)

APPLICATION FOR ADVANCE AGAINST SALE OF FOREST PRODUCE IN
SUBSEQUENT YEAR

To

.....
.....

(Give designation of the Agent/Officer to whom the produce is offered for sale)

I,, hereby offer for sale of standing trees/forest produce which are standing on my privately owned land and are due for felling during the year..... as per approved felling programme under section 4 of the Himachal Pradesh Land Preservation Act, 1978 and request for an advance of Rs.....
The full particulars are as under:—

1. Name of owner, father's name with full address ..
2. Name of village, where forest produce is owned with Khata/Khatauni/Khasra number and area of each Khasra and kind of land (enclose copy of latest Jamabandi and Tatima).
3. Detail/description of forest produce offered for sale..
4. Name of Range/Block/Beat in which forest produce offered for sale is located ...
5. Year when area is due for felling under felling programme under section 4 of Himachal Pradesh Land Preservation Act, 1978.
6. Estimated No. of trees likely to be removed during the year of felling ..
7. Amount of advance requested for ..
8. Reasons for seeking advance ..
9. Whether willing to mortgage land with trees against the amount of advance and execute mortgage deed..

Place.....

Signature/thumb impression of the applicant.

Verification by President, Gram Panchayat or Lambardar of the area.

FORM V

[See Rule 9 (2)]

FORM OF APPLICATION FOR PERMIT UNDER SECTION 19 (1)

To

The Divisional Forest Officer,
..... Division.

I, son of, r/o.....
(Give full address) have purchased the forest produce the detail of which is enclosed, from

Shri..... son of....., r/o.....
(Give full address) for purposes of further sale/had extracted forest produce the detail of which is enclosed, after permission of Divisional Forest Officer..... Division vide his letter No..... dated..... had obtained order of demarcation and marking of trees in village..... Khasra No..... from Divisional Forest Officer..... Division on (date)..... vide his letter No..... dated..... before the commencement of the Himachal Pradesh Forest Produce (Regulation of Trade) Act, 1982. It is, therefore, requested that I may be accorded permission to sell/transport/convert/fell and convert the forest produce/trees under section 19 (1) of Himachal Pradesh Forest Produce (Regulation of Trade) Act, 1982.

Signature/thumb impression of the applicant.

Place.....

Date.....

Note.—(1) Score out whichever is not applicable.

(2) Enclose detail of forest produce for which permit is required.

FORM VI

[See Rule 9 (2)]

FORM OF PERMIT TO SELL/CONVERT/FELL AND CONVERT, FOREST PRODUCE AS REQUIRED *VIDE* SECTION 19 (1)

Division.....

Permit No.....

Dated.....

Shri..... son of Shri.....
r/o..... (Give full address) is permitted to sell/convert/fell and convert, the forest produce trees as per detail given below, which after due enquiry under rule 9 (2) of Himachal Pradesh Forest Produce (Regulation of Trade) Rules, 1982 have been verified that the purchase was effected for further sale/had felled the trees/or orders for demarcation and marking were issued on..... before the commencement of the Act.

Description/detail of forest produce/timber for which permission is valid.

This permit is valid upto.....

Divisional Forest Officer,
..... *Division.*

Place.....

Date.....

Note.—(1) No permission is to be granted beyond 30th November, 1982.

(2) In case of permission for transport of forest produce which has been converted prior to commencement of Act, export permit will be issued as per form prescribed under section 41 and 42 of Indian Forest Act, 1927 and rules made thereunder.

No.....

Dated.....

Copy forwarded to Shri..... s/o Shri..... r/o.....
 (Give full address in whose favour permit is to be issued with reference to his application dated.....)

2. Copy to Range Officer..... for information and necessary action.
3. Agent or his nominee for information and necessary action.

Divisional Forest Officer,
..... Division.

FORM VII

[See Rule 10 (1)]

FORM OF APPLICATION FOR REFUND OF ADVANCE PAID TO TRADER BEFORE COMMENCEMENT OF ACT

1. Name of owner, father's name with full address (who had entered into a contract for sale of forest produce to purchaser/trader).
2. Name of trader/purchaser/father's name with full address or firm (who had entered into a contract with owner for purchase of forest produce).
3. Detail/description of forest produce for sale and purchase of which the contract was executed (give full detail i.e. Village, Khata/Khatauni, Khasra Nos., area and kind of land where standing trees were committed to be sold to purchaser/trader).
4. Date of entering into contract (enclose a copy of agreement deed duly attested by a Magistrate).
5. Names of witness to the contract ..
6. Amount of advance obtained by owner from purchaser/trader.
7. Amount of advance repaid by owner to the purchaser ..
8. Balance amount of advance payable by owner to the purchaser/trader for which request is made ..
9. Detail of evidence/names of witnesses with full address (if any) who are required to be produced to establish claim of advance received by owner and paid by purchaser.
10. Any other information to be furnished in support of claim ..

Place.....

Date.....

Signature/thumb impression
of the owner.

Signature of purchaser/trader.

Note.— (i) Enclose affidavit(s) duly attested by Magistrate 1st Class in support of claim.
(ii) Enclose an attested/photostat copy of agreement deed.